Cambridge International AS Level

Cambridge International Examinations
Cambridge International Advanced Subsidiary Level

HINDI LITERATURE **8675/04**

Paper 4 Texts **October/November 2016**

2 hours 30 minutes

No Additional Materials are required.

3331335771

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An answer booklet is provided inside this question paper. You should follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper ask the invigilator for a continuation booklet.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose **one** question from Section 1, **one** question from Section 2 and **one other**.
Write your answers in **Hindi**.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.
All questions in this paper carry equal marks.

पहले इन निर्देशों को पढ़िए

इस प्रश्न-पत्र के भीतर उत्तर-पुस्तिका दी गई है| उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण करें| यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें|

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुने जाने चाहिए| **भाग 1** से **एक** प्रश्न, **भाग 2** से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है| और **एक अन्य** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है|
अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें|
शब्दकोश का प्रयोग **मना** है|
आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक **नहीं** ले जा सकते हैं|

आपका प्रत्येक उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच लिखा जाना चाहिए|
इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं|

This document consists of **6** printed pages, **2** blank pages and **1** insert.

DC (AL) 136479
© UCLES 2016

CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

उत्तर-पुस्तिका का निर्देश:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर खाली खानों को भरें|
गहरे नीले या काले रंग की स्याही से लिखें|
किसी भी बारकोड पर न लिखें|
अपने उत्तर उत्तर-पुस्तिका में पृष्ठ के दोनों तरफ लिखें|
कृपया प्रत्येक प्रश्न के उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच दो पंक्तियाँ खाली छोड़ें |
आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं उसकी प्रश्न-संख्या पहले हाशिये में लिखें|

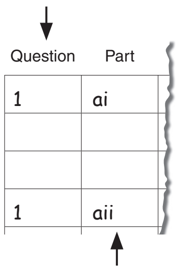

आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं, यदि उसके कई भाग हैं, उदाहरण के लिए 1(a) और 1(b),
उस भाग को हाशिये के दूसरे भाग में लिखें|
यदि आपने अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका का उपयोग किया है तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ लगा दें|

BLANK PAGE

<u>भाग 1</u>

1 सूरसागर सार - सूरदास और श्री रामचरितमानस - तुलसीदास

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए|

(a) अबिगत-गति कछु कहत न आवै|
ज्यौं गूँगै मीठे फल कौ रस अंतरगत हीं भावै|
परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावै|
मन-बानी कौं अगम-अगोचर, सो जाने जो पावै|
रूप-रेख-गुन जाति जुगति-बिनु निरालंब कित धावै|
सब विधि अगम बिचारहिं तातैं सूर सगुन-पद गावै||2||

विनय और भक्ति

उपरोक्त पद की सप्रसंग व्याख्या करते हुए सूरदास की भक्ति भावना पर टिप्पणी कीजिए| [25]

या

(b) कवित्व शक्ति की दृष्टि से सूरदास के कृष्ण और तुलसीदास के राम के चित्रण की तुलना पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के उदाहरण द्वारा कीजिए| [25]

© UCLES 2016

2 प्रसाद निराला महादेवी पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न (a) और (b) में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए|

(a) मेरे नाविक!
ले चल वहाँ भुलावा देकर,
मेरे नाविक ! धीरे-धीरे|

जिस निर्जन में सागर लहरी|
अम्बर के कानों में गहरी-
निच्छल प्रेम-कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे|

जहाँ साँझ-सी जीवन छाया,
ढीले अपनी कोमल काया,
नील नयन से ढुलकाती हो,
ताराओं की पाँत घनी रे|

जिस गम्भीर मधुर छाया में-
विश्व चित्र-पट चल माया में-
विभुता विभु सी पड़े दिखाई,
दुख सुख वाली सत्य बनी रे|

श्रम विश्राम क्षितिज वेला से-
जहाँ सृजन करते मेला से-
अमर जागरण उषा नयन से-
बिखराती हो ज्योति घनी रे!

मेरे नाविक

उपरोक्त कविता की सप्रसंग व्याख्या करते हुए लिखिए कि यह कविता छायावाद की किन विशेषताओं का उदाहरण है? [25]

या

(b) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की दो कविताएँ 'जागो फिर एक बार' और 'स्नेह-निर्झर बह गया' उनकी किन दो विपरीत मन:स्थितियों को प्रतिबिम्बित करती हैं? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए दोनों कविताओं की विवेचना कीजिए| [25]

3 मैथिलीशरण गुप्त - भारत-भारती

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(a) सबसे प्रथम कर्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में,
शिक्षा बिना ही पड़ रहे हैं आज हम सब क्लेश में|
शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है,
शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है||
जब तक अविद्या का अँधेरा हम मिटावेंगे नहीं,
जब तक समुज्ज्वल ज्ञान का आलोक पावेंगे नहीं,
तब तक भटकना व्यर्थ है सुख-सिद्धि के संधान में.
पाये बिना पथ पँहुच सकता कौन इष्टस्थान में?
वे देश जो हैं आज उन्नत और सब संसार से –
चौंका रहे हैं नित्य सबको नव नवाविष्कार से|
बस ज्ञान के संचार से ही बढ़ सके हैं वे वहाँ,
विज्ञान बल से ही गगन में चढ़ सके हैं वे वहाँ||
विद्या मधुर सहकार करती सर्वथा कटु निम्ब को,
विद्या ग्रहण करती कलों से शब्द को, प्रतिबिम्ब को!
विद्या जड़ों में भी सहज ही डालती चैतन्य है,
हीरा बनाती कोयले को, धन्य विद्या धन्य है!

भविष्यत् खण्ड

उपरोक्त काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए| शिक्षा के विषय में गुप्त जी की विचारधारा वर्तमान संदर्भ में कितनी उपयोगी है? [25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित 'अतीत', 'वर्तमान' और 'भविष्यत्' खण्डों के अंश के उदाहरण द्वारा मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीयता की भावना पर प्रकाश डालिए| [25]

<u>भाग 2</u>

4 आधे-अधूरे - मोहन राकेश

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(a) "'आधे-अधूरे' हिंदी का पहला प्रमुख नाटक है जो विवाह संस्था को एक स्थिर-स्थायी व्यवस्था और घर को एक सुखी परिवार के रूप में स्थापित करने वाले सदियों पुराने मूल्यों के विघटन का चित्रण करता है|" नाटक के कथानक के आधार पर अपने विचार लिखिए| [25]

या

(b) 'आधे-अधूरे' नाटक की भाषा शैली की विशेषता पर उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए| [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(a) चंद्रधर शर्मा गुलेरी की "'उसने कहा था' प्रेम, स्वार्थ त्याग एवं बलिदान के अनुपम भाव की कथा है|" कथा-शिल्प की परिपक्वता के आधार पर इस कथन पर टिप्पणी कीजिए| [25]

या

(b) 'पूस की रात' कहानी में प्रेमचंद ने कर्ज से दबे दरिद्र किसान के जीवन के कटु यथार्थ का मनोवैज्ञानिक चित्रण किस प्रकार से किया है? [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ - सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(a) महेश रामजियावन की 'चक्कर' कहानी के कथानक के विवरण द्वारा उसकी मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए| [25]

या

(b) 'एम बी ई' कहानी के माध्यम से भानुमती नागदान ने किस सामाजिक वास्तविकता का चित्रण किया है? [25]

© UCLES 2016

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.